जिब्राल्टर जलडमरूमध्य क्षेपित क्षेत्र पर चिंता

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

हाल ही में वैज्ञानिकों ने **अटलांटिक महासागर** के भविष्य को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने **स्पेन और मोरक्को** के बीच स्थित **जिब्राल्टर जलडमरूमध्य** के नीचे एक **क्षेपित क्षेत्र (subduction zone)** की पहचान की है।

- यह **यूरोप** और **अफ्रीका** को अलग करने वाली एक संकीर्ण खाई है। यह **यूरेशियन प्लेट** और **अफ्रीकी प्लेट** के मिलन बिंदु को चिह्नित करता है।
- **अग्निवलय (The Ring of Fire):** **प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर** के समान, जहाँ क्षेपित क्षेत्र **प्रशांत महासागर** को घेरे है, **अटलांटिक महासागर** एक नई क्षेपित प्रणाली के निर्माण के लिये अनुकूल हो सकता है।
- **क्षेपण की प्रक्रिया:** क्षेपित क्षेत्र वहाँ होते हैं जहाँ टेक्टोनिक प्लेटें परस्पर क्रिया करती हैं, जिसमें एक प्लेट दूसरे के नीचे क्षेपित हो जाती है। इस मामले में, अ**फ्रीकी प्लेट यूरेशियन प्लेट** के नीचे जा रही है, जिससे भूकंपीय गतिविधि और भूकंप का खतरा पैदा हो रहा है।
  - **वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह क्षेपित क्षेत्र अगले 20 मिलियन वर्षों में पश्चिम की ओर विस्तारित होगा।**
- महासागरीय बेसिन का सिकुड़ना: क्षेपण की प्रक्रिया से समुद्री बेसिन सिकुड़ सकता है और अंततः अटलांटिक महासागर बंद हो सकता है।
- क्षेपित अतिक्रमण: इसके वर्तमान अपेक्षाकृत छोटे आकार (लगभग 125 मील लंबाई) के बावजूद, अनुमान बताते हैं कि क्षेपण क्षेत्र अगले दो दशकों के भीतर लगभग 500 मील तक विस्तारित हो सकता है।
  - इस घटना को **"क्षेपित अतिक्रमण (subduction invasion)"** के रूप में जाना जाता है।

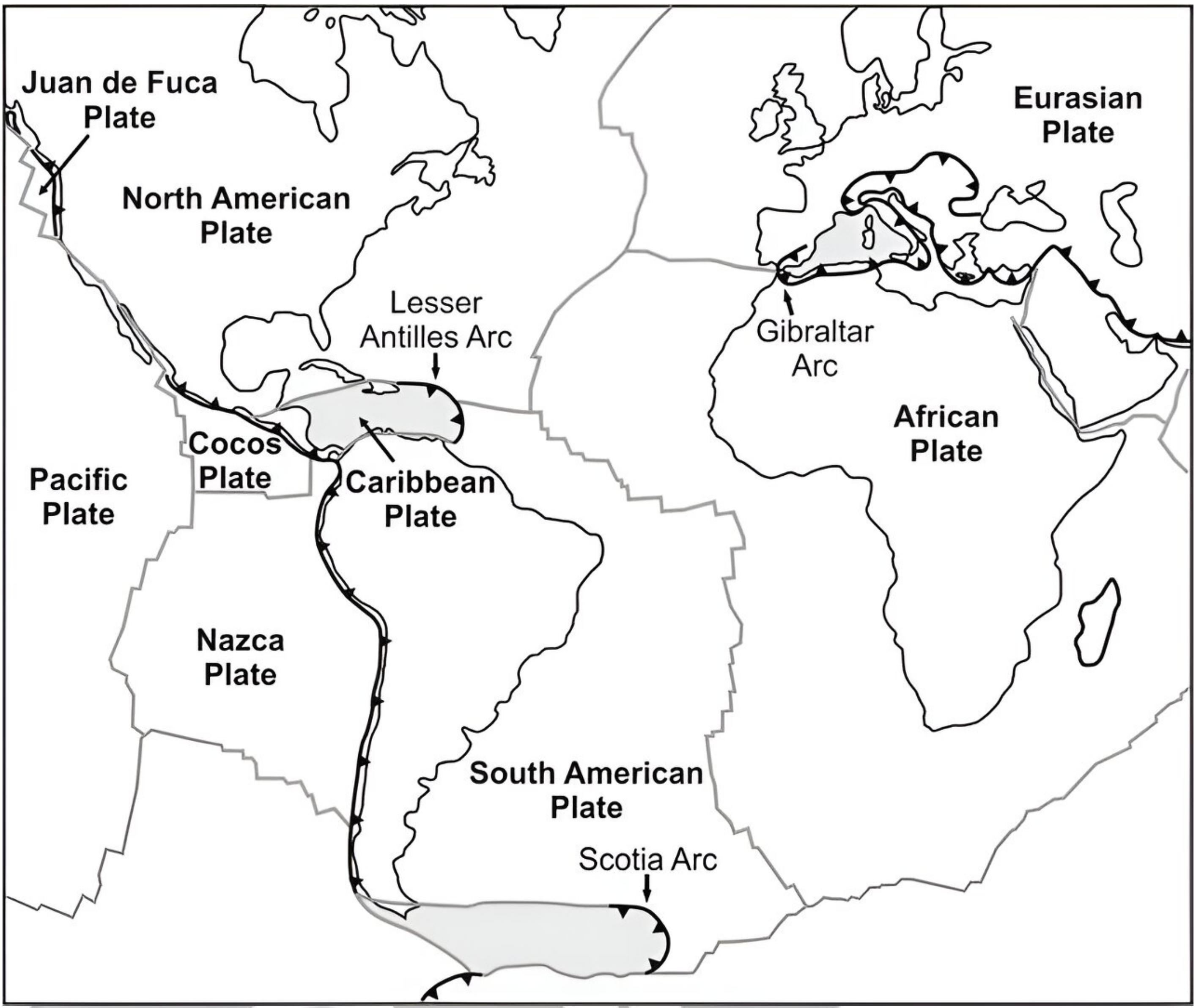

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/concern-over-gibraltar-strait-subduction-zone